ISSN 2319-9407
www.yuvasamvad.org
www.yuvasamvad.com
नव निर्माण के लिए
युवा संवाद
फरवरी 2017 अंक-167 मूल्य : 20 रुपये

'युवा संवाद' पत्रिका के लिए

बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 125 वीं जयंती पर लेख आमंत्रण

बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 125 वीं जयंती पर मुख्यधारा की राजनीति ने उन्हें सम्मान भी दिया और उन्हें अपने-अपने पाले में खींचने की कोशिश भी की. सबसे आक्रमक कोशिश राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके राजनीतिक संगठन, भारतीय जनता पार्टी ने की. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो अपने आपको बाबा साहेब के आगे न्योछावर कर देने जैसा दावा प्रस्तुत किया, लेकिन इस दौरान न तो दलित समाज के प्रति समता और भाईचारे का भाव प्रदर्शित किया गया और न ही अम्बेडकरवाद को पढ़ने और अपनाने का कोई कार्यक्रम चला. जहाँ कहीं अम्बेडकरवाद को विमर्श के रूप में लाया गया, वहाँ उन्हें तोड़-मरोड़कर अपनाने का पाखण्डी प्रयास हुआ. दूसरी तरफ कट्टर होते हिंदू समाज ने दलितों पर जगह-जगह हमले किए, रोहित वेमुला की आत्महत्या से लेकर ऊना में दलितों की पिटाई तक की घटनाएं इसके प्रमाण हैं. ऐसे में अम्बेडकरवाद और हिंदुत्ववाद के बीच झूलती उत्तर प्रदेश की ताकतवर दलित राजनीति से क्रांतिकारी वैचारिक उम्मीद की अपनी सीमाएं हैं. यह वर्ष तब सार्थक होता, जब भारत की लोकतांत्रिक संस्थाएं बाबा साहेब के संविधानवाद का आदर करतीं और समाज उनकी समतावादी सामाजिक क्रान्ति को आगे बढ़ता. इस मोर्चे पर दिखने वाली निराशा के बीच एक आशा जरूर है कि बाबा साहेब का चिंतन आसानी से सामंतवाद, पूंजीवाद और हिंदुत्व द्वारा हज़म नहीं किया जा सकता है, आज उनके विचारों की इसी आग को प्रज्ज्वलित करने की प्रासंगिकता है. *'युवा संवाद'* पत्रिका उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए, अपने इसी दायित्व के निर्वाहन में आपका वैचारिक सहयोग चाहती है. देश की विभिन्न समस्याओं और वैश्विक चुनौतियों के सन्दर्भ में बाबा साहेब के विचारों की प्रासंगिकता को देखते हुए आपका वैचारिक हस्तक्षेप आमन्त्रित है.

लेखों के मुख्य विषय इस प्रकार हैं: *भारत की जाति व्यवस्था, भारत की आर्थिक स्थिति, भारत का अंतर्राष्ट्रीय सन्दर्भ, वर्तमान समय में वैश्विक चुनौतियां, वर्तमान समय में भूमण्डलीकरण की सीमाएं, बौद्ध धम्म और डॉ. आंबेडकर, बौद्ध धम्म की प्रासंगिकता, स्त्री समस्या, आदिवासी समस्या, भारत की सांप्रदायिक समस्या, इस्लाम और हिंदुत्व* जैसे विभिन्न विषयों पर अधिकतम 3000 हज़ार शब्दों में आपके लेख 12 मार्च 2017 तक यूनीकोड फॉण्ट एम. एस. वर्ड फ़ाइल में मिल जाने चाहिए. आलेख रूप में टिप्पणी, विमर्श, विश्लेषण, संस्मरण, कविता और कहानी भी आमंत्रित हैं. सभी लेखकों से निवेदन है कि उनके आलेख बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की विचारधारा एवं व्यक्तित्व के आसपास ही हों.

आलेख भेजने के लिए ईमेल: surjeetdu@gmail.com (डॉ. सुरजीत कुमार सिंह),
tripathiarunk@gmail.com (प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी) और
docarun2@gmail.com (डॉ. ए. के. अरुण, सम्पादक, युवा संवाद, मासिक पत्रिका)!